झारखंड में बायोगैस संयंत्र

चर्चा में क्यों?

गोबरधन योजना के तहत **झारखंड के पाँच ज़िलों में** नए बायोगैस संयंत्र स्थापित किये जाएंगे जिससे राज्य में बायोगैस संयंत्रों की कुल संख्या 47 हो जाएगी।

- ये पाँच नए बायोगैस संयंत्र **बोकारो (पेटरवार ब्लॉक), रामगढ़ (चित्रापुर), दुमका (जरमुडी), जामताड़ा (कुंडहित) और सरायकेला-खरसावाँ (इचागढ़)** में स्थापित किये जाएंगे।
- ये संयंत्र प्रतिदिन 135 घन मीटर गैस का उत्पादन करेंगे, जिससे स्थानीय समुदायों को स्वच्छ ऊर्जा का लाभ मिलेगा।
    - इसके अतिरिक्त बंडगाँव में बनकर तैयार हुआ 25 घन मीटर का संयंत्र 20 घरों को ऊर्जा प्रदान करेगा।

मुख्य बिंदु

- **गोबरधन योजना के बारे में:**
    - **शुरुआत:** वर्ष 2018 में शुरू की गई गैल्वनाइज़िंग ऑर्गेनिक बायो-एग्रो रिसोर्सेज़ धन (**गोबरधन**) योजना, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) – चरण II के अंतर्गत एक राष्ट्रीय प्राथमिकता परियोजना है।
    - **क्रियान्वयन:** इसके क्रियान्वयन के लिये जल शक्ति मंत्रालय के अंतर्गत **पेयजल और स्वच्छता विभाग (DDWS)** को नोडल विभाग के रूप में नियुक्त किया गया है।
    - **उद्देश्य:** इसका उद्देश्य सतत् विकास को बढ़ावा देने के लिये बायोगैस/**संपीड़ित बायोगैस (CBG)/Bio-CNG संयंत्रों** के लिये एक मज़बूत पारिस्थितिकी तंत्र स्थापित करना है।

योजना के मॉडल		
श्रेणी	**विवरण**	**उपयोग**
व्यक्तिगत घरेलू	तीन या उससे अधिक पशुओं वाले परिवार।	खाना पकाने के लिये बायोगैस, खाद के रूप में स्लरी (तरल खाद)।
समुदाय	5-10 घरों के लिये संयंत्र, **ग्रामसभा** (GP) या स्वयं सहायता समूह (SHG) द्वारा प्रबंधन।	घरों/रेस्तरां के लिये गैस, स्लरी (तरल खाद) खाद के रूप में या बिक्री हेतु।
क्लस्टर	एक गाँव/गाँवों के समूह में अनेक घरों में संयंत्र स्थापित।	घरों के लिये गैस, जैव-उर्वरक के रूप में बिक्री हेतु स्लरी (तरल खाद)।
वाणिज्यिक CBG	उद्यमियों/सहकारी समितियों/गौशालाओं द्वारा स्थापित संयंत्र।	ईंधन के लिये संपीड़ित गैस, जैविक खाद के रूप में स्लरी (तरल खाद)।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/biogas-plants-in-jharkhand